Gap between demand and supply of petroleum

2831. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the demand for petroleum products is increasing continuously day by day for the last two years;

(b) whether the gap between demand and supply of the petroleum has widened for the same period; and

(c) if so, the details thereof and what steps to be taken by Government to fill up the gap for the fulfilment of needs of the people of the country

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) The demand for petroleum products and the shortfall in supply from indigenous sources during the last two years have been as under:—

Year	Demand/ Consumption (TMT)	Deficit (TMT)
1990-91 . . .	55035	5544
1991-92 . . .	56864	7280

To the extent possible, the gap between demand and supply is bridged by import.

मिट्टी के तेल का आवंटन

2832. **श्री लक्खीराम अग्रवाल** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रत्येक राज्य को मिट्टी के तेल का प्रतिमाह कितनी मात्रा में आवंटन किया जाता है और प्रत्येक राज्य की जनसंख्या कितनी है ;

(ख) प्रत्येक राज्य में प्रति व्यक्ति आवंटन का औसत कितना है ;

(ग) राज्यों को मिट्टी के तेल के आवंटन के मापदण्ड क्या हैं;

(घ) क्या राज्यों को मिटटी के तेल के प्रति व्यक्ति माहवार आवंटन में कोई अंतर है, यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ङ) क्या सरकार इस संबंध में एक रूपरेखा लाएगी, यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(च) क्या मध्य प्रदेश सरकार मिट्टी के तेल के माहवार कोटे में वृद्धि किए जाने के लिए लगातार मांग कर रही है, यदि हां तो कोटे में कब तक वृद्धि कर दी जाएगी और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को किए जा रहे मिट्टी के तेल का वार्षिक आवंटन संलग्न विवरण में दर्शाया गया है। [नीचे देखिए]

(ख) से (ङ) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को एसके ओ का आबंटन पूर्व आधार पर किया जाता है। मिट्टी का तेल एक ऐसा उत्पाद है जिसकी कमी रहती है और इसकी जरूरत के एक तिहाई से अधिक का आयात करना पड़ता है। विदेशी मुद्रा और बंदरगाह की क्षमता संबंधी बाधाओं के कारण मिट्टी के तेल का आपूर्ति में वृद्धि करना और राज्य में प्रति व्यक्ति खपत में भिन्नता को दूर करना संभव नहीं हो पाया है।

(च) आबंटन में वृद्धि करने संबंधी अनुरोध अनेक राज्यों से प्राप्त हुए हैं जिसमें मध्य प्रदेश शामिल हैं। अब आवश्यकताओं के अनुरूप इसकी पूर्ति अब बाजार कीमतों पर बिक्री के लिए समानान्तर विपणन के अधीन निजी एजेंसियों द्वारा आयात करके की जा रही है।